forests and adjoining areas is being illegally cut and sent out to Gulf countries, earning huge profits to Bangladeshi immigrants in Hojal resulting in destruction of vast and very precious agarwood forests of Khasi hills etc. ;

(b) the details of facts in this regard and measures being adopted ; and

(c) estimated losses due to smuggling of agarwood out of the country and also due to destruction of agarwood forests ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRIES OF AGRICULTURE AND RURAL DEVELOPMENT (SHRI R.V. SWAMINATHAN) (a) to (c). The information is being collected and will be placed on the Table of the Sabha in due course.

कृषि शास्त्रियों के प्रतिनिधिमंडल की चीन यात्रा

2365. **श्री बापू साहिब परुलेकर :**
श्री रवीन्द्र वर्मा :
श्री मोती भाई आर० चौधरी :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अगस्त 1982 में कृषि शास्त्रियों का एक प्रतिनिधिमंडल चीन की यात्रा पर गया था ;

(ख) यदि हां, तो इस यात्रा का उद्देश्य क्या था और प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों का ब्योरा क्या है ;

(ग) क्या चीन से वापस आने के बाद इस प्रतिनिधिमंडल ने सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

(घ) यदि हां, तो इस रिपोर्ट के मुख्य मुद्दे क्या हैं ; और

(ङ) यात्रा की उपलब्धियां क्या हैं ?

कृषि तथा ग्रामीण विकास मंत्रालयों में राज्य मंत्री (श्री आर० वी० स्वामीनाथन) : (क) भारतीय कृषि वैज्ञानिकों का एक मिला-जुला प्रतिनिधिमंडल अगस्त, 1982 के दौरान चीन भेजा गया था ।

(ख) हाल के वर्षों में चीन में कृषि के क्षेत्र में हुए विकास की सामान्य जानकारी हासिल करने के उद्देश्य से प्रतिनिधिमंडल भेजा गया था । प्रतिनिधिमंडल में निम्नलिखित सदस्य थे :

(1) डा० ओ० पी० गौतम,
महानिदेशक,
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् और
सचिव, कृषि अनुसंधान और शिक्षा
विभाग नेता

(2) श्री एन. जे. जोशी, (कृषि वानिकी)
उप-महानिरीक्षक, वन
कृषि और सहकारिता विभाग

(3) डा. एम. वी. राव, (फसल विज्ञान)
उप-महानिदेशक (सी एस)
भा० कृ० अ० प०

(4) डा. एस. एन. द्विवेदी, (मत्स्य पालन)
निदेशक,
केन्द्रीय मत्स्य पालन शिक्षा
संस्थान बम्बई

(5) श्री आर. वी. सूर्यनारायण (सिंचाई)
निदेशक,
केन्द्रीय जल आयोग,
सिंचाई मंत्रालय

(6) डा० एन० एन० गोस्वामी
अध्यक्ष, (मृदा और जैव गैस)
मृदा विज्ञान विभाग,
भा० कृ० अ० सं०, नई दिल्ली

(ग) रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

(घ) उपरोक्त के कारण, प्रश्न ही नहीं उठता।

(ङ) कृषि अनुसंधान, विशेष रूप से संकर चावल का उपयोग और विकास, मूंगफली, शकरकन्दी, मक्का, सोयाबीन और मोटे अनाज जैसी फसलों की उत्पादन प्रौद्योगिकी के संदर्भ में वर्तमान स्थिति का अध्ययन करने के लिए प्रतिनिधिमंडल ने चीन जनवादी गणराज्य का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने समेकित कीट और बीमारी प्रबन्ध पद्धति, जैव गैस प्रौद्योगिकी, फार्म और पशु छीजन का पुन: उपयोग, अजोला का उपयोग, कृषि वानिकी, धान रोपण यंत्र, जल प्रबन्ध और जल निकास तथा समुद्री मछली पालन के क्षेत्र में हुई प्रगति से संबंधित सूचना भी एकत्र की। चीन में अब संकर चावल का उपयोग व्यापारिक स्तर पर किया जा रहा है और लगभग 70 लाख हैक्टेयर भूमि में इसकी खेती की जा रही है। यह पाया गया कि, संकर चावल की उपज, जनक किस्मों की अपेक्षा 10-12 प्रतिशत अधिक होती है। विभिन्न फसलों और वन वृक्षों की कुछ किस्में और जर्मप्लाज्म हमारे देश के लिए उपयोगी होंगे। कुछ चुनींदा कीटों, जैसे कपास के डोडे के कीट के मामले में समेकित कीट प्रबन्ध पद्धित को काम में लाया जाता है। चावल और सब्जी दोनों की कृषि में, नाइट्रोजन के पूरक स्रोत के रूप में अजोला का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है। जैव-गैस उत्पादन, सूअर पालन और मछली पालन के लिए फार्म, मनुष्य और पशु छीजन का उपयोग, जैविक सामग्री के पुनर्चक्रण की पद्धति अपनाकर विशेष प्रगति की गयी है। इसी तरह से कृषि-वानिकी, अन्त: फसल पद्धति और बहु-फसल पद्धित, वनविकास, जल प्रबन्ध तथा जल निकास के क्षेत्र में अच्छी प्रगति की गयी है। कम्पून पद्धति (जिस में उत्पादन ब्रिगेड और उत्पादन दल शामिल हैं) के द्वारा प्रौद्योगिकी को अनुसंधान प्रयोगशाला से किसानों तक बहुत तेजी से पहुँचाया जाता है।

प्रतिनिधिमंडल चीन जनवादी गणराज्य में 10 दिन तक ठहरा। चीन में ठहरने के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने कृषि अनुसंधान का ढांचा, फसल उगाने की पद्धतियां, मृदा और जलवायु की परिस्थितियों, फसलें उगाने, पशुओं, मछली और रेशम के कीड़े पालने में अपनायी जाने वाली विधियां, समेकित कीट प्रबन्ध विधियों, जैविक छीजन का उपयोग, मछली पालन, कृषि वानिकी, जल प्रबन्ध और कृषि से संबंधित अन्य क्षेत्रों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस भ्रमण से चीनी कृषि, फसलों, पशुओं (जिसमें मछली आदि शामिल हैं) के उपयोग से संबंधित विधियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का मौका मिला। भ्रमण से भारत और चीन जनवादी गणराज्य के बीच सामग्री, जर्मप्लाज्म और विचारों का आदान प्रदान करने के लिए रास्ता खुला।

समेकित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत राजस्थान में गरीबी की रेखा से ऊपर लाए गए परिवारों की ब्लाक-वार संख्या

2366. **श्री मूल चन्द डागा** : क्या **ग्रामीण विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1980-81 तथा 1981-82 के दौरान समेकित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत राजस्थान में ब्लाक-वार, कितने